



04

सोने की
कीमतें स्थिर,
चांदी उछली

इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

04

अमेरिकी
मतदाताओं
की नाराजगी
झेलते ट्रम्प



youtube.com/mradubhashi

x.com/mradubhashil

facebook.com/mradubhashi

इंदौर, शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026

नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 43, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

जनवरी से मार्च तक तबादलों और सीमा विस्तार पर लगेगी रोक जनगणना: ओबीसी पर असमंजस खत्म, 'अन्य' श्रेणी में होगी एंट्री

मृदुभाषी। भोपाल

मध्य प्रदेश में देश की पहली डिजिटल जनगणना 2027 को सुचारू और वृद्धिद्वारा ढंग से संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। जनगणना के अति-महत्वपूर्ण कार्य में लगे प्रशिक्षित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए सरकार जनवरी से मार्च 2027 के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादलों पर यथासंभव रोक लगाने जा रही है।

इसके साथ ही इस अवधि में नए नगरीय निकाय, पंचायत, तहसील, परिषद के गठन और प्रशासनिक सीमाओं के विस्तार जैसे फैसलों पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। मंत्रालय में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने सभी विभागों को तय समय-सारणी के अनुसार समन्वय के साथ कार्य करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। बैठक में जनगणना महानिदेशक संजीव श्रीवास्तव समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में स्पष्ट किया गया कि जनगणना में अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के साथ 'अन्य' का विकल्प मौजूद रहेगा, जिसका सीधा तात्पर्य है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) की अलग से जातिगत गणना नहीं की जाएगी और उन्हें 'अन्य' श्रेणी में ही दर्ज किया जाएगा।

पहली बार होगी मोबाइल ऐप से हाईटेक गणना, दो लाख कर्मचारी होंगे तैनात, नागरिकों को मिलेगी स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा



भोपाल में जनगणना को लेकर सीएस अशोक वर्णवाल बैठक लेते हुए।

परीक्षा का शेड्यूल देखा जाएगा, फिर तारीखें आएंगी: मध्य प्रदेश में जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत मुख्य जनसंख्या गणना का काम जनवरी से फरवरी 2027 के बीच पूरा किया जाएगा। मुख्य सचिव ने स्कूल शिक्षा विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वर्ष 2027 की वार्षिक परीक्षाओं का शेड्यूल इसी जनगणना समय-सारणी को ध्यान में रखकर तैयार किया जाए ताकि शैक्षणिक अमले की सेवाएं भी ली जा सकें।

देश की पहली संपूर्ण डिजिटल जनगणना

जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इसमें आंकड़ों का संकलन कागजों के बजाय सीधे मोबाइल ऐप के जरिए किया जाएगा, जबकि पूरी प्रक्रिया की लाइव ट्रैकिंग और निगरानी विशेष वेब पोर्टल से होगी। इस बार आम नागरिकों को स्व-गणना की विशेष सुविधा भी दी जा रही है, जिसके तहत लोग स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। सरकार का जोर अधिक से अधिक लोगों को स्व-गणना के लिए प्रेरित करने पर है।

दो लाख प्रगणक संभालेंगे मोर्चा, व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा

प्रदेशव्यापी इस महा-अभियान को अंजाम देने के लिए मध्य प्रदेश में करीब दो लाख प्रगणकों (Enumerators) और पर्यवेक्षकों (Supervisors) की तैनाती की जाएगी। जिलों से आने वाले मास्टर ट्रेनर्स को 12 और 13 नवंबर को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद नवंबर के तीसरे सप्ताह में सभी जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्तों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित होगा। जन-जागरूकता फैलाने के लिए प्रदेशभर में रैलियां, सांस्कृतिक झांकियों, लोक कलाकारों, सिनेमाघरों, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया का सहारा लिया जाएगा। प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए राज्य के सभी शासकीय विभागों में एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य की गई है।

100% एथेनॉल वाहनों को मंजूरी पर सुप्रीम कोर्ट का तीखा सवाल
आखिर देश में कैसे होगी शुद्ध एथेनॉल की सप्लाई?



मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश में पर्यावरण के अनुकूल हरित ईंधनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक तफ जहां मोटर वाहन नियमों में संशोधन किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने 100% एथेनॉल (E100) पर चलने वाली गाड़ियों की सप्लाई व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने एथेनॉल सप्लाई ईयर (ESY) 2025-26 से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान हालिया मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से सीधा सवाल किया कि यदि शुद्ध एथेनॉल से चलने वाले वाहनों को अनुमति दे दी गई है,

तो जमीनी स्तर पर इसकी सप्लाई और इंफ्रास्ट्रक्चर का खाका क्या है? न्यायालय में यह मामला तब सामने आया जब 26 अक्टूबर को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में संशोधन करते हुए E100 यानी लगभग शुद्ध एथेनॉल पर संचालित होने वाली प्रतेक्स-प्यूल गाड़ियों को आधिकारिक मंजूरी का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके ठीक अगले दिन यानी 27 अक्टूबर को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह स्पष्ट किया था कि पेट्रोल में एथेनॉल का मिश्रण 20% से अधिक बढ़ाने की केंद्र सरकार की तत्काल योजना नहीं है।

डिजिटल अरेस्ट: यह सामान्य रंगदारी नहीं 'डिजिटल डकैती'

सुप्रीम कोर्ट सख्त: लापरवाही बैंक की हुई तो देना पड़ेगा मुआवजा

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश में तेजी से पांव पसार रहे 'डिजिटल अरेस्ट' और साइबर ठगी के मकड़जाल पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने देशव्यापी जागरूकता अभियानों और लगातार आ रही खबरों के बावजूद शिक्षित लोगों के इस जाल में फंसने पर गहरी चिंता व्यक्त की। चीफ जस्टिस सुर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बैंकिंग प्रणाली की जवाबदेही तय करते हुए एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा कि यदि बैंक की लापरवाही के कारण किसी नागरिक के साथ साइबर ठगी होती है, तो संबंधित बैंक को पीड़ित को मुआवजा देना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह फिलहाल एक विचार और प्रस्ताव है, अंतिम आदेश नहीं।

इससे पूर्व 28 अक्टूबर की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के जरिये होने वाली धोखाधड़ी को 'डिजिटल डकैती' करार



दिया था। चीफ जस्टिस सुर्यकांत ने कहा था कि यह सामान्य जबरन वसूली से कहीं अधिक गंभीर अपराध है, जिसमें खासतौर पर बुजुर्गों को निशाना बनाया जा रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे बेरहम और शांति अपराधियों से कानून के दायरे में सख्ती से निपटा जाएगा। यह कठोर रुख गौरव कुमार साहा और निधि भंडारी की उस याचिका पर आया, जिसमें 12 राज्यों में दर्ज 35 साइबर मामलों को एक जगह स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि उनकी कंपनी के खाते का इस्तेमाल उनकी जानकारी के बिना हुआ और वे स्वयं पीड़ित हैं।

2026 में अब तक 22 हजार मामले आए

डिजिटल अरेस्ट के आंकड़े साइबर अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस और इस अपराध की विभीषिका को बयां करते हैं। वर्ष 2026 में देशभर में डिजिटल अरेस्ट के 22,000 से अधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें जालसाजों ने आम

जनता की गाढ़ी कमाई के 800 करोड़ रुपये से अधिक पर हाथ साफ कर दिया। वहीं, वर्ष 2025 में डिजिटल अरेस्ट के 58,239 मामले सामने आए थे और अपराधियों ने करीब 1,211 करोड़ की भारी-भरकम राशि ठग ली थी।

CBSE का बड़ा फैसला

2028 की 10वीं बोर्ड का नया पैटन जारी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने वर्ष 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए नया स्टडी और एग्जाम पैटर्न घोषित कर दिया है। नए नियमों के तहत छात्रों के लिए मुख्य रूप से 5 विषय अनिवार्य होंगे, जबकि इसके साथ एक अतिरिक्त 'स्किल सबजेक्ट' (कौशल विकास विषय) चुनने का विकल्प भी मिलेगा।

यह स्किल सबजेक्ट छात्रों के लिए बेहद मददगार साबित होगा, क्योंकि गणित, विज्ञान या सामाजिक विज्ञान जैसे मुख्य विषयों में फेल होने की स्थिति में इस विषय के अंकों की मदद से छात्र परीक्षा उत्तीर्ण कर सकेंगे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि इंटरडिस्प्लिनरी



एरिया, कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (CT) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के मांड्यूल इस स्टडी स्कीम का हिस्सा नहीं होंगे। यह बड़ा बदलाव शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 9वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले छात्रों पर लागू होगा,

एमपी के पर्यावरण विकास पर चर्चा



मृदुभाषी। नई दिल्ली/भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से उनके निवास पर सीजन्य मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों नेताओं के बीच मध्य प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण और वन विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान राज्य में पर्यावरण संरक्षण, वन

क्षेत्रों के संवर्धन, वन्य जीवों के संरक्षण तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर बात की गई। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश अपनी प्रचुर प्राकृतिक संपदा, समृद्ध वन संपदा और असीम जैव-विविधता की दृष्टि से देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य सरकार प्रदेश के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने और वनों के विस्तार के लिए केंद्र सरकार के समन्वय से निरंतर नई कार्ययोजनाओं पर काम कर रही है।

नेतन्याहू और विपक्ष दोनों बहुमत से दूर

इजराइल के चुनाव में विदेशी दखल का शक!



मृदुभाषी। नई दिल्ली

इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनाव के बाद राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है। चुनाव में विदेशी दखल की आशंका के बीच चुनाव आयोग ने सुर्खा एजेंसी 'शिन बेट' को जांच के आदेश दिए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, एजेंसी को एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपनी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिक्वुड पार्टी को संदेह है कि कतर और तुर्किये से इजराइल तथा वेस्ट बैंक में धन भेजा गया, जिसका इस्तेमाल अरब नागरिकों की फंडिंग के लिए किया गया। हालांकि, ये आरोप हैं और जांच के बाद ही इनकी पुष्टि हो सकेगी। वोटों की गिनती के ताजा आंकड़ों के अनुसार, नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि विपक्षी गठबंधन 48 सीटों पर आगे बताया जा रहा है। अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिलने का अनुमान है। इस तरह किसी भी खेमे को सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। अंतिम नतीजों के लिए दोहरे लिफाफों में डाले गए वोटों की गिनती बाकी बताई गई है। मतगणना के

नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए विपक्ष की बैठक

सरकार बनाने की कोशिशों के बीच विपक्षी नेताओं यायर गोलान और यायर लैपिड ने भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने और देश में बदलाव लाने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि वे इजराइल को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बदलाव का मौका हाथ से नहीं जाने दिया जाएगा।

दौरान अरब पार्टी राअम को एक सीट का फायदा हुआ है और उसकी सीटें बढ़कर आठ हो गई हैं। वहीं, जाईंट लिस्ट की सीटें घटकर 11 रह गई हैं। हालांकि, इस बदलाव से नेतन्याहू और उनके विरोधी खेमे की कुल सीटों के अनुमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अरब पार्टियों का प्रदर्शन सरकार गठन की संभावनाओं में भूमिका निभा सकता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चलेगा प्रतीकात्मक 'महामियोग'

INDIA ब्लॉक आज खड़गे के आवास पर करेगा मॉक संसद

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली और एसआईआर (SIR) के मुद्दों को लेकर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है। इसी क्रम में विपक्षी गठबंधन 'INDIA' ब्लॉक द्वारा आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सरकारी आवास पर एक विशेष 'मॉक संसद' (प्रतीकात्मक संसद) का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत तमाम प्रमुख विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक 'महामियोग' चलाएंगे।

इस सार्वजनिक महामियोग कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार द्वारा की जाएगी,



जबकि पूरी प्रक्रिया की औपचारिक शुरुआत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे। इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई दिग्गज विपक्षी नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

सुदामा नगर में ओचक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों पर बिफरे महापौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री राजेन्द्र सिंह पिताश्री भरतसिंह रावत** विरूद्ध घनसिंह भरतसिंह रावत श्रौन क्र. 5 राजस्थान हाईकोर्ट पर आवेदन के साथ रजिस्टर्ड कपीयोजना, वापिस नाला, दान पत्र अनुमति प्रस्तुत कर **सर्विस** (गिन नंबर 1001284963 पता 145-जी, गौरीनगर, इंदौर पर नामांगरन चाहा गया। इस जालिह सूचना प्रकाशन के दिनांक 30.10.2026 से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति केक संस्था व अन्य को उक्त सर्विस के नामांगरन पर आपत्ति हो तो जौन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष सर्वोवेज के अगनी आपति प्रस्तुत करे आवधि पहात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपति स्वीकार नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
जौन क्रमांक 5, इ.न. पा. ति.
इंदौर

कर ली। इस घटना में सीता और उसके तीनों बच्चों की मौत हो गई। एक ही दिन में दो सगीनौ बहनों और उनके चार मासूम बच्चों की इस तरह मौत से पूरा जिला स्तब्ध है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शवों को कुएं से बाहर निकलवाया और मासूम कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों मामलों में परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है, ताकि इन घातक कदमों के पीछे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

મૃદુભાષી । મોપાલ

संख्याबल के लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी होने के बावजूद कांग्रेस ने वाकओवर देने के बजाय अंतर्गत मुकाबला करने का फैसला किया है। पार्टी इस सीट पर किसी महिला प्रत्याशी को मौका देने पर गंभीरता से विचार कर रही है, जिसे कांग्रेस की एक भावी राजनीति रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। उम्मीदवार के महासचिव संजय कपले के अनुसार, उम्मीदवार के नाम को लेकर पार्टी की भीतर गहन विचार-विमर्श और मंथन चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितू पटवारी शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पार्टी के अधिकारिक प्रत्याशी के नामों की घोषणा करेंगे। इससे पहले भाजपा द्वारा की गई मंत्री हरीदो सिंह पुरी को मैदान में उतारे जाने पर कांग्रेस नेताओं ने उन पर तीखे राजनीतिक हमले भी बोले थे। अब सभाकी नीगाहें शुक्रवार को नईवालकर उम्मीदवार कांग्रेस एलान पर टिकी हैं। राज्यसभ उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 नवंबर तक है। 3 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 5 नवंबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। यदि चुनाव की नौबत आती है तो 12 नवंबर को मतदान कराया जाएगा।

मृदुभाषी । जबलपुर

मामला बढ़ावा निवासी छात्र दिव्यांशु सेपटा से जुड़ा हुआ है। दिव्यांशु ने कड़ी मेहनत से 'नीट' (NEET) परीक्षा उत्तीर्ण की थी, जिसके बाद कांसलिंग में प्राप्त रैंक के आधार पर उसे भोपाल के आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट आवंटित हुई थी। इसके पश्चात 'मॉप-अप राउंड' में छात्र ने सीट अपग्रेडेशन के लिए आवेदन किया। मॉप-अप कांसलिंग के दौरान दिव्यांशु ने



विभाग की चेतावनी के बाद भी नहीं जनरेट की रसीद

सीट निरस्त करने वे पीछे जो कारण सामने आया, वह कॉलेज प्रशासन की घोर प्रशासकीय लापरवाही को उजागर करता है। कॉलेज प्रबंधन ने 'पंप-अप राउंड' के बाद निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर छात्रों की आधिकारिक 'एडमिशन रसीद' जनरेट ही नहीं की थी। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिकाृत आदित्य संधी ने युगलपीठ के समक्ष दलील दी कि संचालक चिकित्सा शिक्षा (डीएमई) विभाग ने भी इस संबंध में कॉलेज प्रबंधन को बकायदा पर जारी किया था। चिकित्सा शिक्षा विभाग के पत्र में साफ तौर पर स्पष्ट किया गया था कि पोर्टल पर समय रहते प्रवेश रसीद जनरेट करने की पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रबंधन की ही है।

संबंधित कॉलेज में स्वयं उपस्थित होकर (फिजिकल रिपोर्टिंग), निर्धारित फीस जमा की और नोटल अधिकारी से अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी कराया। समस्त कागजी व व्यावहारिक प्रक्रिया संपन्न होने

पर उसे सीट आवंटित कर दी गई। परंतु कुछ समय बाद अचानक आए एक ईमेल ने छात्र के होश उड़ा दिए, जिसमें बताया गया कि उसकी आवंटित सीट निरस्त कर दी गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ

के सामने तर्क रखा कि छात्र ने अपनी ओर से प्रवेश से जुड़ी हर एक शर्त और प्रक्रिया को नियमानुसार पूरा किया था। ऐसे में कॉलेज प्रबंधन की प्रशासनिक भूल का खामियाजा एक होनहार छात्र के करियर और भविष्य को धुताना पड़े, यह संस्था अनुचित है। मामले की गंभीरता, तथ्यों और तर्कों को दृष्टिगत रखते हुए, हाईकोर्ट की युगलपीठ ने छात्र को अंतरिम राहत प्रदान की और अलएडोर्फ कॉलेज में याचिकाकर्ता के लिए एम्बोबीएस को एक सीट रिक्त रखने का स्टैंड ऑर्डर जारी कर दिया। न्यायालय द्वारा जारी किए गए नोटिसों के बाद अब संबंधित अनावंदकों को इस लापरवाही पर हाईकोर्ट में अपना जवाब प्रस्तुत करना होगा।

મૃદુભાષી । મોપાલ

आंदोलन में शामिल अभ्यर्थियों ने दौटूक शहर में कहा कि जब तक शासन स्तर से नियुक्ति पत्र स्कूल आवंटन को लेकर कोई ठोस निर्णय या आ

जारी नहीं होते, उनका यह विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने भर्ती नियमावली के खंड ४९ का हवाला देते हुए अभिलेखों के सत्यापन के दौरान डीलपलट डिट्टी से जुड़ी शक्त का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उनकी मांग है कि चयन सूची में शामिल सभी अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र तत्काल जारी कर उन्हें विद्यालयों में प्रस्थापना दी जाए। उल्लेखनीय है कि इससे करीब 22 दिन पहले भी वर्ष-३ के शिक्षक अभ्यर्थियों ने अपनी इन्हीं मांगों को लेकर एमपी नगर चौराहे पर लगभग चार घंटे तक लंबा चक्काजाम किया था। उस दौरान उपजिलाधिकारी लाखन सिंह चौधरी और पुलिस अधिकांशों के साथ लंबी चर्चा के बाद अभ्यर्थियों ने आशवासन मिलने पर आंदोलन स्थगित किया था। हालांकि, उस समय भी अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी थी कि यदि जिम्मेदार मंत्रियों या मुख्यमंत्री स्तर से उनकी समस्या का संतोषजनक समाधान नहीं निकाला गया, तो वे मजबूरन फिर से सड़कों पर उतरेंगे। इसी कड़ी में एक बार फिर राधधानी की



सड़कों पर अभ्यर्थियों का भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है, और पुलिस प्रशासन स्थिति को

नियंत्रित करने के साथ मार्ग को सुचारू बनाने के प्रयासों में जुटा हुआ है।

મૃદુભાષી । મોપાલ

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान 42 वर्षीय अनीता मैथिल पत्नी मोहन मैथिल के रूप में हुई है। उनके पति खेती-किसानी करते हैं,



जबकि मृतका गृहिणी थीं। दंपती के चार बच्चे—
(तीन बेटियाँ और एक बेटा) हैं। मृतका के
भतीजे विशाल ने पुलिस को जानकारी दी कि
बुधवार रात उन्होंने करवाचौथ का व्रत रखने की
बात कही थी और इसके बाद सोने चली गई थीं।
गुफ्तार सुबह करीब सात बजे जब उनकी
ने माँ को फंदे पर लटक देखा, तो उसकें होश
उड़ गय। अन्त के चीखने-पिल्लाने पर परिवारवालों
के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक

बहुत देर हो चुकी थी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अनिता को मानसिक स्थिति पिछले करीब तीन महीनों से ठीक नहीं चल रही थी और उनका इलाज भी जारी था। हालाँकि, इस खौफनाक कदम के पीछे की असल वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही बिलखिरिया थाना पुलिस तत्काल मौलत पर पहुँची और घटनास्थल का बारिकी से मुआयना किया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस में मार्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सच्ची खबर, सलीके के साथ

ताजा खबरें

के लिए क्लिक करें

पर

www.mradubahshi.com

 ई-पेपर

ताजा खबरें



देश



प्रदेश

विदेश


मौकिक खबरें

 **पारि नगरी**

स्वच्छ



एक ही क्लिक में जानिए



खड़े हनुमान मंदिर की प्राचीन प्रतिमा हटाने को लेकर फिर बढ़ा विवाद

देर रात विशेषज्ञों की टीम ने की मंदिर की जीपीआर स्कैनिंग

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। शहर में स्थित प्रसिद्ध और प्राचीन खड़े हनुमान मंदिर की प्रतिमा को स्थानांतरित करने का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। मंदिर का मुख्य ढांचा हटाए जाने के लगभग डेढ़ महीने बौत जाने के बाद, प्रशासनिक अमला और विशेषज्ञों की एक विशेष टीम मंगलवार की देर शाम अत्याधुनिक मशीनों व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ अचानक मंदिर परिसर पहुंची।

स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़ी जानकारी के अनुसार, भोपाल से आई विशेषज्ञों की टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक मंदिर परिसर में रुककर प्रतिमा और उसके आसपास के हिस्सों की गहन स्कैनिंग की। इस जांच का मुख्य उद्देश्य ग्राउंड पेनेट्रेंटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक के



माध्यम से यह पता लगाना था कि ऐतिहासिक प्रतिमा का आधार जमीन में कितनी गहराई तक समाया हुआ है और उसके नीचे की भौगोलिक व भौतिक संरचना कैसी है। हालाँकि, इस पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया के बाद भी प्रशासन ने यह साफ नहीं किया है कि प्रतिमा को हटाने या

स्थानांतरित करने की दिशा में आगे क्या कदम उठाए जाएंगे, जिससे संशय बरकरार है।

जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने कड़ा ऐतराज जताया

इस गुप्त कार्यप्रणाली पर स्थानीय

जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने कड़ा ऐतराज जताया है। भाजपा पार्षद शिवेंद्र तिवारी ने कार्रवाई के तरीके पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन प्रतिमा का तकनीकी परीक्षण या जांच करना चाहता है, तो उसे पूरी पारदर्शिता के साथ सभी के समक्ष ऐसा करना चाहिए। रात के अंधेरे में बिना किसी पूर्व सार्वजनिक सूचना के टीम के अचानक पहुंचने से आम श्रद्धालुओं के मन में अनेक प्रकार के भ्रम और आशंकाएं जन्म ले रही हैं। पार्षद तिवारी ने प्रशासन से मांग की कि वह प्रतिमा को लेकर अपनी वास्तविक मंशा जल्द स्पष्ट करे। इसके साथ ही तिवारी ने एक अनूठा दावा भी किया कि जांच के दौरान कुछ संवेदनशील स्थानों पर उपकरण लगाते ही उनकी बैटरियां अचानक डिस्चार्ज हो गईं, जिसके कारण अधिकारियों को उपकरण दोबारा चार्ज करने

पड़े। उन्होंने इस घटनाक्रम को ईश्वर का संकेत बताया है। भाजपा पार्षद शिवेंद्र तिवारी ने कार्रवाई के तरीके पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन प्रतिमा का तकनीकी परीक्षण या जांच करना चाहता है, तो उसे पूरी पारदर्शिता के साथ सभी के समक्ष ऐसा करना चाहिए। रात के अंधेरे में बिना किसी पूर्व सार्वजनिक सूचना के टीम के अचानक पहुंचने से आम श्रद्धालुओं के मन में अनेक प्रकार के भ्रम और आशंकाएं जन्म ले रही हैं। पार्षद तिवारी ने प्रशासन से मांग की कि वह प्रतिमा को लेकर अपनी वास्तविक मंशा जल्द स्पष्ट करे। इसके साथ ही तिवारी ने एक अनूठा दावा भी किया कि जांच के दौरान कुछ संवेदनशील स्थानों पर उपकरण लगाते ही उनकी बैटरियां अचानक डिस्चार्ज हो गईं, जिसके कारण अधिकारियों को उपकरण दोबारा चार्ज करने

पड़े। उन्होंने इस घटनाक्रम को ईश्वर का संकेत बताया है। भाजपा पार्षद शिवेंद्र तिवारी ने कार्रवाई के तरीके पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन प्रतिमा का तकनीकी परीक्षण या जांच करना चाहता है, तो उसे पूरी पारदर्शिता के साथ सभी के समक्ष ऐसा करना चाहिए। रात के अंधेरे में बिना किसी पूर्व सार्वजनिक सूचना के टीम के अचानक पहुंचने से आम श्रद्धालुओं के मन में अनेक प्रकार के भ्रम और आशंकाएं जन्म ले रही हैं। पार्षद तिवारी ने प्रशासन से मांग की कि वह प्रतिमा को लेकर अपनी वास्तविक मंशा जल्द स्पष्ट करे। इसके साथ ही तिवारी ने एक अनूठा दावा भी किया कि जांच के दौरान कुछ संवेदनशील स्थानों पर उपकरण लगाते ही उनकी बैटरियां अचानक डिस्चार्ज हो गईं, जिसके कारण अधिकारियों को उपकरण दोबारा चार्ज करने

बिजली बिल वसूलने गई टीम को घसीट-घसीटकर पीटा गया

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। जिले के इंगोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत खरसौद खुर्द गांव में बकाया बिजली बिल की वसूली करने गई विद्युत विभाग की टीम पर हमले का मामला सामने आया है। बिल जमा कराने की बात कहने पर एक किसान और उसके बेटे ने विभागीय कर्मचारी के साथ जमकर मारपीट कर दी।

इस हिंसक वारदात में पीड़ित कर्मचारी की बाई आंख, कंधे और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। गुरुवार को घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी किसान और उसके बेटे के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पिता-पुत्र ने की मारपीट

विद्युत विभाग में वरिष्ठ परीक्षण सहायक के पद पर कार्यरत पीड़ित ईश्वर भिलाला (50) ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह बुधवार दोपहर करीब 3:15 बजे अपने साथी कर्मचारियों कचरू गारी, घनश्याम गारी और अनिल के साथ खरसौद खुर्द स्थित आरोपी श्याम पंड्या के खेत पर बने मकान पर पहुंचे थे। टीम वहां अस्थायी कृषि बिजली कनेक्शन के बकाये बिल की वसूली के सिलसिले में गई



थी। आरोप है कि जब ईश्वर भिलाला ने श्याम पंड्या से बिल जमा करने का अनुरोध किया, तो उसने साफ इनकार करते हुए उन्हें वहां से तुरंत चले जाने को कहा। इसके बाद जब कर्मचारी ने नियमानुसार बिजली कनेक्शन काटने की बात कही, तो श्याम भड़क गया और कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर श्याम ने हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उसका बेटा अर्जुन पंड्या भी वहां आ गया और उसने भी कर्मचारी पर हमला बोल दिया।

एफआईआर दर्ज कराने करना पड़ा 4 घंटे इंतजार

घटना के बाद किसी तरह खुद को बचाकर

विभागीय टीम थाने पहुंची। हालांकि, एफआईआर दर्ज कराने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बाद में जब बिजली विभाग का पूरा अमला थाने पहुंचा, तब जाकर रात करीब आठ बजे आरोपी श्याम और अर्जुन पंड्या के खिलाफ केस दर्ज किया गया। गुरुवार को सामने आए वायरल वीडियो में दो पुरुषों और तीन महिलाओं की मौजूदगी दिख रही है, जिसकी पुलिस अपने स्तर पर जांच कर रही है। एई सौरभ गोस्वामी को घटना की सूचना दे दी गई है और पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए दबिश दे रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आती रहीं है।

तीन साल बाद धराया 10 हजार का इनामी बदमाश सुनेरा पुलिस ने आगर से कियागिरफ्तार

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। वर्ष 2023 में गांजा तस्करी के मामले में फरार 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को सुनेरा पुलिस ने आगर मालवा से गिरफ्तार किया है। उक्त आरोपी पर 10 हजार रू. का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस आरोपी को सरगमी से तलाश कर रही थी।

दरअसल पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 27 अक्टूबर से 15 दिवसीय राज्य स्तरीय नारकोटिक्स विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया है। अभियान के तहत एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन एवं

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र तारणेकर के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में एसडीओपी कीर्ति बघेल के निर्देशन में सुनेरा पुलिस टीम ने थाना सुनेरा के एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे आरोपी भैरू पिता जगदीश माली (32) निवासी अयोध्या बस्ती आगर मालवा को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी को मुखबिर सूचना के आधार पर आगर मालवा से गिरफ्तार कर न्यायालय शाजापुर के समक्ष पेश किया गया।

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। कांग्रेस ने वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत एक निजी होटल में प्रेसवार्ता की। इसमें एआईसीसी आब्जर्वर चरण सिंह सापरा शामिल हुए। चरण सिंह सापरा ने चुनाव आयोग को भाजपा की कठपुतली बताया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग अब चुनाव नहीं चुना आयोग बन गया है और इसे चोर-चोर मोसैरे भाई भी कहा। कांग्रेस मीडिया प्रभारी राजेश सिसनोरिया ने कहा कि इस दौरान सापरा ने कहा कि कांग्रेस यह अभियान मतदाताओं की सूची की शुद्धता, मताधिकार की सुरक्षा



और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए चला रही है। अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर फर्जी वोटों की लिस्ट बनाएंगे और गड़बड़ियों की जानकारी चुनाव आयोग को सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि जब

भाजपा की कठपुतली है चुनाव आयोग: सापरा कांग्रेस ने दी वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान की जानकारी

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मतदाता सूची में पारदर्शिता शिकायतों का हो निराकरण प्रेसवार्ता के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी हो, वहीं पात्र नागरिकों को अपना नाम जांचने और आवश्यक सुधार कराने का भी पर्याप्त अवसर मिले तथा सभी शिकायतों का समयबद्ध निराकरण किया जाए। पार्टी इस मुद्दे को संगठनात्मक अभियान, जनजागरूकता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से उठाती रहेगी, ताकि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महिला से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को 2 साल की सजा

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शाजापुर द्वारा आरोपी महेश पिता सेवाराम (36) को धारा 354 भादवि के अंतर्गत 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1 हजार रू. के अर्थदण्ड तथा धारा 354-क(1) भादवि के अंतर्गत 1 हजार रू. के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। जिला मीडिया सेल प्रभारी एवं जिला अभियोजन अधिकारी (अजाक) प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि फरियादी ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 09 फरवरी 2021 को सुबह लगभग 08 बजे वह हैंडपंप पर पानी भरने गई थी। उस समय आसपास कोई

नहीं था। तभी आरोपी महेश वहां आया और बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़कर उसे पुलिया की तरफ खींचकर ले जाने लगा। फरियादी ने घबराकर अपना हाथ छुड़ाया तो आरोपी ने घटना किसी को बताने पर जान से खत करने की धमकी दी। फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। संपूर्ण अनुसंधान के पश्चात अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ममता पाराशर द्वारा पैरवी की गई। न्यायालय ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तर्कों से सहमत होते हुए आरोपी को दंडित किया।

कवि सम्मेलन कैला देवी मंदिर परिसर में देर रात तक बही काव्य की रस धारा

वह अंजली के लाला अपनी मर्जी से ही हटेंगे

नृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। स्व सेठ मन्मूलाल गर्ग की जन्म जयंती के अवसर पर कैला देवी मंदिर उत्सव समिति द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के ख्यात नाम कवियों ने साहित्य संस्कृति और काव्य की छटा बिखेरते हुए अपनी ओजस्वी, हास्य व्यंग और श्रृंगार रस की रचनाओं का पाठ कर दाद बटोरी एवं देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा।

समिति संयोजक एवं भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ रायसिंह सेंधव, महामंत्री राजेश यादव, मुख्य अध्योजक दीपक गर्ग, कल्याण भूतडा, अजब सिंह ठाकुर, अशोक सोमानी, रमन शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ कर कवियों का स्वागत किया। स्वागत संचालन के साथ मीडिया प्रभारी चेतन उपाध्याय ने कवियों का परिचय कराया। इस दौरान कवि सम्मेलन के सूत्रधार सुरेंद्र सकिंद उज्जैन ने अपनी हास्य व्यंग शैली से हास्यमय वातावरण



निर्मित कर कवि सम्मेलन को आसमान की ऊंचाई पर पहुंचाया।

रुंदे मातरम बन कर बोली और तिरंगा थाम लिया

उदयपुर राजस्थान के ख्यातनाम अंतर्राष्ट्रीय कवि राव अजात शत्रु ने अपने चुटीले संवादों के साथ ये बोली तो युग बोला ये गुंजी तो जग गुंजा रुंदे मातरम बन कर बोली और तिरंगा थाम लिया आजादी का परचम लहराया कविता जिंदाबाद... गा कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेरठ की

प्रसिद्ध कवियत्री डॉ शुभम त्यागी ने अपनी मधुर आवाज में मां की वंदना के साथ श्रृंगार रस की रचनाओं का पाठ करते हुए जब प्रीत जगी तुमसे सुलझी सभी पहेली... गीत पर श्रोताओं की दाद बटोरी। बेबी को बैस पसंद है हास्य व्यंग के रचना कार कोटा के अर्जुन अल्हड़ ने अपनी हास्य रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाते हुए कंठाल उज्जैन के चमत्कारी अडिग हनुमान की प्रतिमा पर कहा कि दिखलाया यदि अपना बल कौशल तो सब टूटेंगे, वे हनुमान अंजली के लाला अपनी मर्जी से ही हटेंगे. की प्रस्तुति पर

पंडाल मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

रहे सदा जीवन भर जग में मेरी पहचान पिता

ओज कवि दिनेश अनल शाजापुर ने राष्ट्रभक्ति की ओजस्वी रचना का पाठ किया। चेन्नई के कवि मिट्टू मिठास ने पिता पर कविता पाठ करते हुए शानदार रचना रहे सदा जीवन भर जग में मेरी पहचान पिता. गाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। जबलपुर की कवियत्री टी व्ही करुण सुनीता पटेल ने देवीवास पर मां की शक्ति के प्रभाव की सुंदर रचना के साथ श्रृंगार रस की रचनाओं का पाठ किया। देवास के हास्य व्यंग के कवि पंकज जोशी ने अपनी हास्य रचना के साथ सेठ मन्मूलाल गर्ग के साहित्य एवं धार्मिक आस्था की अपने काव्य शब्दों में पिरोया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में काव्य रसिक महिला एवं पुरुष श्रोताओं ने देर रात तक कवि सम्मेलन का आनंद लिया। आभार जयेश एवं हितेश गर्ग ने माना।



मालिकाना हक प्रदान कर उसकी किसान आईडी बनाई जाए, ताकि कोटवारों खाद-बीज समय पर मिल सके तथा कोटवारों की वर्दी की राशि पूर्व की तरह उनके खातों में जमा करने अथवा भूमि के अभिलेखों में उनका नाम दर्ज करने की मांग की गई।

वेतन में प्रतिवर्ष 500 रुपये की वृद्धि करने की मांग

पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार वेतन में प्रतिवर्ष 500 रुपये की वृद्धि करने की मांग भी रखी गई। संघ ने यह भी मांग की कि सेवाकाल के दौरान किसी

कोटवार की मृत्यु होने पर उसके आश्रित परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए तथा परिवार के पात्र सदस्य को अनुकरुणा नियुक्ति प्रदान की जाए। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 31 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से नीलम पार्क भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। रैली और जापन सौंपने के दौरान सचिव संतोष शर्मा, प्रेमनारायण जाट, शंकरलाल धोलपुरिया, राधेश्याम कन्नौद, रवि कचनारिया, कमल सिंह बामनिया मौजूद रहे।

निर्माण ठप, जनता ग्रस्त: चंदा जुटाकर खुद वार्डवासियों ने ही बना डालीं पक्की नालियां

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। 'जब अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना पड़े, तो समझ लीजिए कि व्यवस्था गहरी नींद में सो रही है।' गुना शहर से एक ऐसी ही हैरान करने वाली और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली खबर सामने आई है। जहां जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बेपरवाह रवैये से तंग आकर वार्ड क्रमांक 9 की साईं सिटी कॉलोनी में महिलाओं ने खुद ही मोर्चा संभाल लिया। तीन साल से जल निकासी की विकट समस्या से जूझ रही इन महिलाओं ने न सिर्फ आपसी चंदा जुटाकर खुद पक्की नालियां बना डालीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की पोल भी खोल कर रख दी।

साईं सिटी कॉलोनी के वार्ड क्रमांक 9 में पिछले तीन लंबे वर्षों से जल निकासी की गंभीर समस्या

बनी हुई थी। पक्की नालियां न होने के कारण घरों का गंदा पानी सीधे मुख्य सड़कों पर बहता रहता था, जिससे पूरे इलाके में जलभराव, कीचड़ और दुर्गंध की समस्या आम हो चुकी थी। वार्ड की महिलाओं ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने कई बार स्थानीय पार्षद सुमन लालाराम लोधा और नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काटे। गुहार लगाई, आवेदन दिए, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी कोई आश्वासनों के अलावा हाथ कुछ नहीं लगा।

जिम्मेदारों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी

वार्डवासियों के मुताबिक जब अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी, तो महिलाओं ने हार मानने के बजाय खुद ही इस चुनौती से पार पाने का फैसला किया। गुरुवार को दोपहर में महिलाओं ने एकजुट होकर बैठक की और नाली निर्माण का बीड़ा उठाया। सभी ने आपसी सहमति से चंदा जुटाया, ईंट, सीमेंट और रेती जैसी जरूरी निर्माण सामग्री मंगाई और एक मिस्त्री की देखरेख में काम शुरू कर दिया। इस दौरान महिलाओं ने खुद हाथों में फावड़ा, गैती और

अपने पैसों से निर्माण कार्य कराने पड़ रहे हैं। इसके पीछे की असली वजह नगरपालिका के भीतर चल रहा प्रशासनिक और राजनीतिक गतिरोध है। शहर में विकास कार्यों के लिए दर्जनों टेंडर स्वीकृत हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद धरातल पर काम शुरू नहीं हो पा रहा है। पालिका अध्यक्ष और सीएमओ की कार्यप्रणाली के बीच चल रहे आपसी टकराव और खींचतान के आरोप-प्रत्यारोप खुलकर सामने आ रहे हैं। अध्यक्ष लगातार अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रशासन की ओर से इन पर अब तक कोई ठोस जवाब या कार्रवाई नहीं आई है।

केंद्रीय मंत्री सिधिया तक पहुंच चुकी है अध्यक्ष की पीड़ा

विकास कार्यों पर लगे इस अनिश्चितकालीन ब्रेक और



अधिकारियों ने मतदान केंद्रों का लिया जायजा

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने और सूची को अद्यतन करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही बुध लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं के नामों का भौतिक सत्यापन भी कर रहे हैं। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए पात्र नागरिक फॉर्म-6 भरकर आवेदन जमा कर रहे हैं। अभियान के दौरान बीएलओ द्वारा विशेष रूप से युवाओं को पहली बार मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है और ग्रामीणों को मतदाता पंजीकरण की

पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है।सत्यापन एवं शिविर कार्यों की धरातलीय स्थिति परखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्रों का भ्रमण किया। एसडीएम गुना शिवानी पांडेय ने शहर के बांसखेड़ी और घोषीपुरा स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, तहसीलदार सुनील वर्मा ने ग्राम तिल्लीखेड़ा पहुंचकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे मतदाता सत्यापन और फॉर्म संकलन के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। जिला प्रशासन ने सभी पात्र युवाओं और नागरिकों से समय पर फॉर्म भरकर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने की अपील की है।

क्रांतिवीर तात्याटोपे विश्वविद्यालय के परिणामों में गड़बड़ियों का अंबार

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। क्रांतिवीर तात्याटोपे विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणामों में लगातार सामने आ रही गंभीर विसंगतियों, अधिसूचनाओं की अशुद्धियों और आवेदन प्रक्रिया में फैली अव्यवस्थाओं से विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य संकट में पड़ता नजर आ रहा है। इन तमाम समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरुवार को कुलसचिव के नाम एक ज्ञापन सौंपा है।

छात्र संगठन ने बताया कि जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा जारी परीक्षा परिणाम अधिसूचनाओं और क्रांतिवीर तात्याटोपे विश्वविद्यालय गुना से जुड़े परिणामों में अनुरक्रमांक, विषय विवरण और परीक्षा परिणामों

सुरक्षित दस्तयाब की गई अपहृत नाबालिग किशोरी

गुना। जिले में नाबालिग बच्चों के अपहरण और गुमशुदगी के मामलों में पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। मुगावास थाना क्षेत्र से लापता हुई 17 वर्षीय नाबालिग किशोरी को पुलिस ने सुरक्षित ढूंढ निकाला और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटना के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को किशोरी के अचानक घर से गायब होने पर परिजनों ने मुगावास थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत अपहरण का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। तकनीकी संसाधनों और विकसित मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी। सघन प्रयासों के बाद पुलिस ने किशोरी को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। इसके बाद उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

नागरिकों से की पानी बचाने की अपील

पार्षद डॉ. जय मंडल यादव ने सोशल मीडिया पर बताई पानी की परेशानी

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। नगर पालिका पार्षद डॉक्टर जय मंडल सिंह यादव ने नगर वासियों से पानी बचाने की अपील की है। सोशल मीडिया पर जारी अपील में उन्होंने अपने वार्ड वासियों और नगर के लोगों से निवेदन किया है कि इस बार बारिश कम होने के चलते जल संकट मंडरा रहा है। आने वाले गर्मियों के मौसम में पानी की आपूर्ति हो सके इसके लिए अभी से पानी की बचत जरूरी है।

नपा निरंतर प्रयास करती है कि सभी के घरों में पानी पहुंचे, पानी की एक-एक बूंद अनमोल है, उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी समझदारी का परिचय दे पानी को व्यर्थ ना बहाएं, जिनके नलों में टोटी नहीं लगी है, वे अपने नलों में टोटी लगवाएं, वाहन धोने में व्यर्थ पानी न बहाएं, जिससे आने वाले जल संकट का मुकाबला कर सकें। हमारे नगर पालिका अध्यक्ष, सभी पार्षद और नगर पालिका प्रशासन सभी घरों में शुद्ध जल पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है।

अल्प वर्षा होने के कारण जल सबसे बड़ी चुनौती

उन्होंने कहा कि इस बार अल्प वर्षा होने के कारण जल हमारे नगर के लिए सबसे बड़ी चुनौती हो सकता है। इसलिए पानी को बबादी से बचाने के लिए हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। टोटी खुली ना छोड़े तुरंत बंद करें, सड़कों पर पानी ना फैलाएं, पाइप से आगन में गाड़ियां ना धोएं, सार्वजनिक जगह पर

सड़कों पर कहीं भी लीकेज देखें तो तत्काल नगर पालिका प्रशासन को अध्यक्ष, पार्षद,सीएमओ को सूचित करें। पानी की सुरक्षा हम सब की सुरक्षा है, शहर के 10-15 हजार परिवार एक-एक बाल्टी पानी बचाएंगे तो 10-15 हजार बाल्टी पानी एक साथ बचेगा।

जल बचाने की मुहिम को जन आंदोलन बनाएं

यादव ने कहा कि जैसे बूंद बूंद से घड़ा भरता है, छोटे-छोटे जल संचय से हम जल को बचाकर,जल की आपूर्ति कर सकते हैं। इस जल बचाने की मुहिम को हम जन आंदोलन बनाएं, और अपने जल सामर्थ को बचाए रखें। इसे समय की मांग मानते हुए, हम समय से पूर्व जागें, और आवश्यकता महसूस करते हुए, हम एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

बालाजी मंदिर में मारपीट एवं मूर्ति खंडित करने के प्रकरण में फरार आरोपी गिरफ्तार

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोक नगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोकनगर अंतर सिंह कनेशा एवं एसडीओपी मुंगावली ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना पिपरई पुलिस द्वारा बालाजी मंदिर में पुजारी एवं अन्य भक्तजनों के साथ मारपीट करने तथा बालाजी की मूर्ति खंडित करने के प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी सुखचंद लोधी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

उत्तेखनीय है कि 5 सितंबर को थाना पिपरई क्षेत्रांतर्गत रामलीला मैदान स्थित बालाजी मंदिर में पुजारी एवं अन्य भक्तजनों

के साथ हमला कर मारपीट करने तथा बालाजी की मूर्ति खंडित करने की घटना घटित हुई थी। उक्त प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपी नीलेश लोधी को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, जो वर्तमान में जिला जेल अशोकनगर में न्यायिक अभिरक्षा में है।

घटना के बाद से ही फरार चल रहा था आरोपी

प्रकरण में आरोपी नीलेश लोधी का पिता सुखचंद लोधी घटना के समय से फरार चल रहा था फरार आरोपी सुखचंद लोधी पिता लालाराम लोधी, निवासी ग्राम लिधौरा, द्वारा अग्रिम जमानत प्राप्त करने के

तीन दिन से लापता है 13 वर्षीय किशोरी

गुना। केंट थाना क्षेत्र के नानाखेड़ी-पिपरीदा गांव से एक 13 वर्षीय किशोरी के तीन दिन से संधिध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। बेटी का कोई सुराग न मिलने पर परेशान पिता ने गांव के ही एक युवक पर उसे बहला-फुसलाकर ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित पिता के मुताबिक उनकी बेटी 26 अक्टूबर से घर से गायब है। पिता का यह भी दावा है कि आरोपी युवक पहले भी उनकी बेटी को इसी तरह ले जा चुका है, जो चार दिन बाद उसे घर के पास छोड़ गया था। इस बार भी कई दिन बीत जाने के बाद भी जब किशोरी का कुछ पता नहीं चला, तो परिवार की चिंता बढ़ गई। पिता का आरोप है कि स्थानीय थाने में शिकायत के बावजूद पुलिस ने समय पर मामला दर्ज नहीं किया और न ही कोई ठोस कार्रवाई की। न्याय की उम्मीद में पिता ने एम्पी ऑफिस पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

नपाध्यक्ष ने खुद साफ की पेंटिंग

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। नगर को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद द्वारा फुट ओवरब्रिज) पर आकर्षक पेंटिंग का कार्य कराया जा रहा है। रंग-बिरंगी और खूबसूरत कलाकृतियों से सुसज्जित हो रहा यह एफओबी नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां से गुजरने वाले लोग पेंटिंग की सुंदरता को निहारने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं।

लेकिन इसी बीच कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा एफओबीकी खूबसूरत पेंटिंग पर थूककर गंदगी फैला दी गई। इस बात की जानकारी मिलने पर नपाध्यक्ष नीरज मानोरिया मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए स्वयं कपड़ा और पानी लेकर पेंटिंग पर लगी गंदगी को साफ किया। इसके साथ ही एफओबी के पीछे स्थित दुकानों की दीवार भी गंदी हो गई थी। नपाध्यक्ष ने संबंधित दुकानदारों से चर्चा कर उन्हें सफाई के प्रति जागरूक किया और दुकानों के पीछे की दीवार को भी साफ करवाया।

शहर स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया



ने नगरवासियों एवं दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि अशोकनगर हमारा अपना शहर है और इसे स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक ओर नगर को सुंदर बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों द्वारा गंदगी फैलाना उचित नहीं है। सभी नागरिक सार्वजनिक स्थलों, दीवारों और पेंटिंग को स्वच्छ रखें तथा शहर की सुंदरता को बनाए रखने में सहयोग करें। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को सफल बनाने के लिए नागरिकों की सहभागिता बेहद जरूरी है।

नपाध्यक्ष कर रहे पानी बचाने जागरूक

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। इस वर्ष अल्प वर्षा के चलते अमाही तालाब में पानी का स्तर कम होने से आगामी दिनों में नगर में पेयजल संकट की आशंका बढ़ गई है। इस स्थिति को देखते हुए नगर पालिका परिषद अशोकनगर द्वारा जल संरक्षण को लेकर विशेष पहल की जा रही है।

नपाध्यक्ष नीरज मानोरिया स्वयं मैदान में उतरकर नागरिकों को पानी बचाने के प्रति जागरूक कर रहे हैं। इसी क्रम में नपाध्यक्ष नीरज मानोरिया, सीएमओ विनोद उन्नीतान, उपयंत्री भानू कुशवाहा एवं जल प्रदाय शाखा के अमल के साथ नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचे। जहां-जहां नलों से जलप्रदाय किया जा रहा है, वहां पहुंचकर नागरिकों को पानी का अनावश्यक उपयोग न करने की समझाइश दी जा रही है। मानोरिया ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस बार बारिश कम होने के कारण

जल स्रोतों में पानी की उपलब्धता प्रभावित हुई है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझे। नल से उतना ही पानी भरें, जितना आवश्यक हो, और पानी भरने के तुरंत बाद नल बंद कर दें। पानी को व्यर्थ न बहाएं और दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आज हम पानी बचाने के लिए जागरूक होंगे, तभी आने वाले कल में पेयजल संकट से बच सकेंगे। जल संरक्षण प्रत्येक नगरवासी का कर्तव्य है।

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। गुना और अशोकनगर के बीच सेजी गांव के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से मादा हिरण की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद समय पर उपचार न मिलने के कारण बेजुबान ने कुछ ही घंटों में दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद खुलासा हुआ है कि मादा हिरण गर्भवती थी। इस तरह एक साथ दो वन्य जीवों की मौत बताई जा रही है।

इससे पहले घटना की

ने डायल-112 के जरिए वन विभाग को पूरे मामले की सूचना दी। हालांकि, दोपहर 2 बजे तक भी मौके से हिरण के शव को नहीं उठाया जा सका था, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। हालांकि बाद में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को अशोकनगर ले जाया गया।

लगाए जा रहे हैं अलग-अलग कयास

मामले में शुरूआती तौर पर तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इस संबंध में अलग-अलग चर्चाएं सामने आ रही हैं। जहां कुछ लोगों का कहना है कि किसी भारी टुक ने हिरण को टक्कर मारी है, वहीं कुछ स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि हिरण का दिल काफी कमजोर हुआ है, इसलिए संभावना है कि किसी तेज धमाके की आवाज के बाद हिरण अवाक होकर गिरा था। बहरहाल, वन विभाग और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जिसमें हिरण की मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश गंभीरता से की जा रही है।